रविवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

साध्य दैनिक

09 नवम्बर 2025
- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 275
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

25 साल, उत्तराखंड बेमिसाल!

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के विकास की महायात्रा का सफर निरंतर जारी है। आज जब उत्तराखंड अपनी इस यात्रा के 25 साल पूरे कर चुका है और उत्तराखंड के लोग रजत जयंती मना रहे हैं तो प्रदेश के लोगों को इस बात पर गर्व हो रहा है कि इन 25 सालों में राज्य ने सभी क्षेत्रों में सफलता के उत्कर्ष को छुआ है तथा विकास की यह यात्रा निरंतर जारी है।

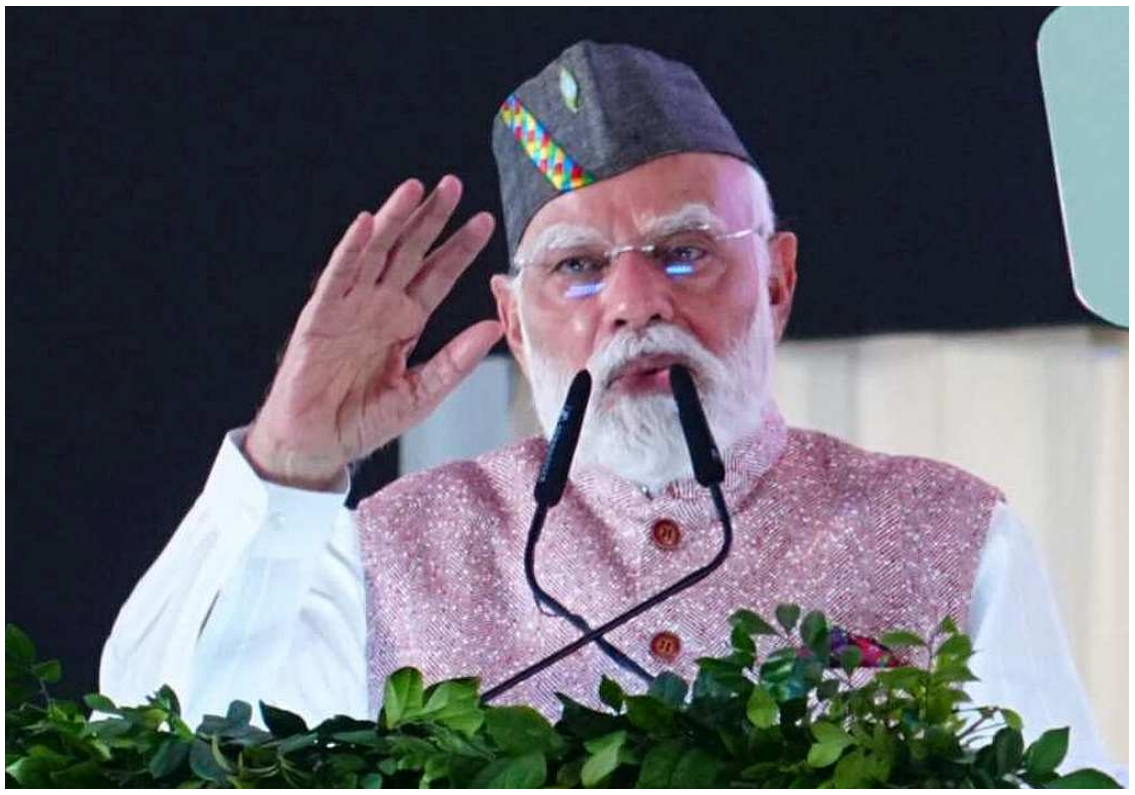

राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 1 घंटे से भी अधिक लंबे भाषण में आज उन तमाम उपलब्धियों का जिक्र किया और कहां कि बाबा केदार की भूमि से उनके मुंह से यूं ही अनायास यह शब्द नहीं निकले थे। जब उन्होंने कहा था कि यह दशक उत्तराखंड के विकास का दशक होगा। उन्होंने कहा कि इस राज्य ने अपना जब यह सफर शुरू किया था तब उनका बजट 4000 करोड़ का था जो अब एक लाख करोड़ का हो चुका है। राज्य की सड़कों की लंबाई दोगुना अधिक हो चुकी है। उस समय राज्य में एक इंजीनियरिंग कॉलेज था अब 10 कॉलेज है। तब एक मेडिकल कॉलेज था आज 10 मेडिकल कॉलेज है राज्य में पहले 6 माह में जितने पर्यटक हवाई मार्ग से राज्य में आते थे अब उतने पर्यटक एक दिन में उत्तराखंड आते हैं राज्य में प्रति व्यक्ति आय में कई गुना वृद्धि हुई है। कृषि व बागवानी क्षेत्र भी विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है। राज्य के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिली है। राज्य में पैदा होने बेडू और बद्री गाय के घी को जी आई टैग मिलना कोई कम बड़ी उपलब्धि नहीं है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह उत्पाद जहां भी जाएंगे उत्तराखंड की पहचान अपने साथ लेकर जाएंगे। उन्होंने रेल मार्ग और सड़क मार्गों का ही नहीं बल्कि राज्य में निर्माणाधीन उन रोपवे का भी जिक्र किया जो हेमकुंड साहिब व केदारनाथ

●राज्य ने 10 सालों में हर क्षेत्र में विकास किया
●पीएम ने राज्य की धामी सरकार को भी सराहा

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पहाड़ी बोली, पहाड़ी टोपी, पीएम का हर अंदाज पहाड़ी

देहरादून (सं)। सिर पर पहाड़ी टोपी और भाषण में जगह-जगह गढ़वाली कुमाऊनी बोली। उत्तराखंड के रजत जयंती के मुख्य कार्यक्रम में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हर अंदाज पहाड़ीपन से घुला-मिला दिखा। उन्होंने गढ़वाली कुमाऊनी के कई-कई वाक्य बोले। वो भी कई बार। अक्सर प्रधानमंत्री उत्तराखंड के कार्यक्रमों में पहाड़ी बोली-भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, मगर आज के भाषण में उन्होंने जितनी गढ़वाली कुमाऊनी बोली, उतनी कभी नहीं बोली थी। ये ही वजह रही, कि उत्तराखंड ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस बार और भी गहरा कनेक्ट महसूस किया।

प्रधानमंत्री ने अपने चिर-परिचित अंदाज में भाषण की शुरूआत की और कहा-देवभूमि उत्तराखंड का मेरा भै बंधु, दीदी, भुलियों, दाना सयानो, आप सबू तई म्यारू नमस्कार। पैलाग, सैंवा सौंली। अपने भाषण के बीच में प्रधानमंत्री ने जब फिर से गढ़वाली में बोलना शुरू किया, तो इसने लोगों को और रोमांचित कर दिया।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

इतिहास की गूंजः आज जब उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे करने जा रहा है, तो "दून वैली मेल" की ये पुरानी प्रतियां हमें याद दिलाती हैं कि "राज्य केवल सीमाओं से नहीं, संघर्षों की यादों से बनता है।" यह पत्रकारिता का वह दौर था जब एक क्षेत्रीय अखबार ने इतिहास के बनने की प्रक्रिया को जमीन से देखा, लिखा और जिया।

दून वैली मेल

केन्द्रीय नेतृत्व के निर्णय को नहीं पचा पा रहे हैं विधायक

स्वामी को लेकर उत्तरांचल भाजपा में बगावत

उपमुख्यमंत्री के लिए कोश्यारी का नाम

व्यापारी को हमला कर लूटा

बालिका की हत्या के आरोप में डाक्टर गिरफ्तार

गैरसैंण को राजधानी बनाने की मांग को लेकर निकाली 'खबरदार रैली'

दून वैली मेल

दशकों पुराना राज्य बनने का सपना आज रात परेड ग्राउण्ड में साकार होगा

शपथ ग्रहण समारोह में भी उपेक्षित रखे गये हैं शहीद परिवार

आंदोलन से नहीं रहा जिनका सरोकार आज वही बन बैठे हैं सत्ता के ठेकेदार

कुछ बदलाव, कुछ सुधार तो दिखाएं

आदरणीय मुख्यमंत्री जी

दून वैली मेल

उत्तरांचल सरकार का प्रथम मंत्रिमंडल कल शपथ लेगा

कोश्यारी, गौड, फोनिया, शाह, बेहड़, भट्ट, राणा व गांववासी मुख्य दावेदार

यूपी वाले चारों मंत्री लिए जाने तय

शपथ ग्रहण समारोह में अव्यवस्था के चलते उपेक्षित रहे जार्ज

दून वैली मेल

भाजपा विधायकों में विद्रोह

शपथ न लेना अनुशासनहीनता:मुख्यमंत्री

तीन मंत्रियों ने शपथ नहीं ली

उत्तरांचल सरकार में १२ मंत्री

चेन प्रिंट खरीदें लेकिन इन बातों का रखें ध्यान

प्रिंटेड ड्रेसेज में कुछ नया ट्रेंड फॉलो करने का मूड है, तो चेन प्रिंट्स ट्राई कर सकती हैं। हॉलिवुड में तो ये प्रिंट्स इस समय खासे पॉपुलर हैं ही, वहीं अब इंडिया में भी हॉट ट्रेंड के रूप में उभर रहे हैं...

अगर प्रिंट्स का लेटेस्ट ट्रेंड जानना चाहते हैं, तो चेन प्रिंट्स इस समय हॉट हैं और हर तरह की ड्रेसेज में पसंद किए जा रहे हैं। डिजाइनर संजीदा श्रीवास्तव की मानें, तो चेन प्रिंट्स तेजी से पकड़ बना रहे हैं। इन दिनों तमाम मौकों और अवॉर्ड फंक्शन्स में फिलहाल ये प्रिंट्स छाए हुए हैं। दूसरा, इनके प्रति क्रेज होने की वजह से फ्रेश लुक पाने के लिए इनके साथ कई तरह से एक्सपेरिमेंट किए जा सकते हैं।

बेशक इन प्रिंट्स को पहनने का मतलब फैशन के साथ चलना है, लेकिन इस दौरान अपनी बॉडी शेप का ध्यान रखना भी जरूरी है। ज्योति कहती हैं, %छोटी बॉडी बिल्ट वाली महिलाओं को छोटे प्रिंट कैरी करने चाहिए। वहीं, वजन ज्यादा होने पर इन्हें लाइट पैटर्न में चूज करना चाहिए। अगर आप लंबी हैं, तो ऊपर से नीचे तक प्रिंट वाली ड्रेस पहन सकती हैं, क्योंकि हाइट में इनको कैरी करना बेहद आसान होता है।%

सोशल मीडिया ने किया हिट

इन प्रिंट्स को हिट करने में सोशल मीडिया का भी खासा योगदान रहा है। चेन प्रिंट को लेकर डिजाइनर कई तरह के प्रयोग भी कर रहे हैं। इसमें कट्स और पैटर्न्स का विशेष खयाल रखा जा रहा है। इसमें वनपीस, गाउन, स्टाइलिश जैकेट, एसिमेट्रिक कुर्ते, लेगिंग्स, जेगिंग्स, स्कर्ट और एक्सेसरीज बनाई जा रही है। चेन प्रिंट्स में स्टाइलिश आउटफिट्स के साथ-साथ एक्सेसरीज में भी चेन प्रिंट्स को पसंद किया जा रहा है।

नोटिसेबिल होते हैं प्रिंट

डिजाइनर रीना कहती हैं कि चेन प्रिंट्स में क्रिएटिविटी की खासी गुंजाइश रहती है। हालांकि इनमें कट्स को उभारने के लिए खूब मेहनत करनी पड़ती है। बावजूद इसके, इनका क्रेज बहुत ज्यादा है क्योंकि ये प्रिंट्स बहुत नोटिसेबिल होते हैं। ये आपको दूसरों से अलग दिखाते हैं। इसलिए किसी मौके पर इनको बखूबी कैरी किया जा सकता है। लेकिन इनकी लिमिट को लेकर कॉन्शस रहें।

चेन प्रिंट्स कॉटन, रुबिया और सिल्क में ज्यादा अच्छे लगते हैं। वहीं अगर प्रिंट्स की बात करें, तो सैफरन, रुबिया और स्ट्राइप्स मार्केट में ज्यादा पॉप्युलर हैं।

ये भी ध्यान रखें

बॉडी शेप को ध्यान रखकर करें कैरी।

ड्रेसेज में प्रिंट्स को ओवरडू न करें।

मिक्स एंड मैच कर सकती हैं।

शॉर्ट ड्रेस लगेगी खास।

यंगस्टर्स के बीच

खासतौर पर हिट।

पार्टी के लिए बेस्ट हैं ये 4 मेकअप लुक्स, जरूर करें ट्राई

इन दिनों पार्टी के लिए शिमरी ड्रेसेज काफी ट्रेंड में है। ऐसे में पार्टी रेडी लुक के लिए आपका मेकअप भी होना चाहिए शाइन और शिमर वाला। हम आपको बता रहे हैं 4 बेस्ट मेकअप लुक्स जिन्हें आप इस पार्टी सीजन ट्राई कर सकती हैं...

ड्रेस से मैचिंग आई मेकअप

इन दिनों ड्रेस से मैचिंग आई मेकअप लुक भी काफी ट्रेंड में है। आप चाहें तो टीवी की सबसे फेमस और सेक्सी ऐक्ट्रेसेज में से एक निया शर्मा से टिप्स लेकर इस बार न्यू इयर पार्टी मेकअप आइडिया ले सकती हैं। ये देखिए निया ने कैसे ब्लू ड्रेस के साथ मैचिंग ब्लू आई मेकअप और पिंक ड्रेस से मैचिंग पिंक आई मेकअप कर रखा है।

शिमरी आइज संग रेड लिप्स

इन दिनों गोल्डन कलर का शिमरी आई शैडो वाला आई मेकअप और उसके साथ बोल्ड रेड लिपस्टिक का कॉम्बिनेशन एक ऐसा मेकअप लुक है जो हमेशा ही आपके लुक को इन्हैस करने का काम करता है। खासकर न्यू इयर पार्टी का मौका हो तो गोल्ड और रेड का यह कॉम्बो बेहतरीन लगता है।

स्मोकी आइज

स्मोकी आइज- ये अब तक सबसे वर्सेटाइल मेकअप स्टाइल है। शादियों से लेकर पार्टी तक हर अकेजन पर यह मेकअप लुक हमेशा ही बेहतरीन लगता है और आप इसे ट्रडिशनल से लेकर वेस्टर्न तक किसी भी ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं। ध्यान रखें कि स्मोकी आई मेकअप करते वक्त लिपस्टिक का कलर बहुत डार्क न रहे। लाइट और सटल लिप कलर्स चुनें।

मेटैलिक आइज विद ग्लॉसी लिप्स

ब्लू मेटैलिक आई मेकअप लुक को ग्लॉसी न्यूड लिपस्टिक या लिप ग्लॉस के साथ टीमअप कर मेकअप करें। यह भी न्यू इयर पार्टी के लिए बेस्ट ऑप्शन है। हां इसके साथ एक्सट्रा शाइन के लिए हाइलाइटर को मिस न करें।

प्रदेश निरन्तर प्रगति एवं उन्नति के पथ पर अग्रसर हो रहा है: जिलाधिकारी

संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने राज्य स्थापना की रजत जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश निरन्तर प्रगति एवं उन्नति के पथ पर अग्रसर हो रहा है।

आज यहां उत्तराखण्ड राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिलाधि कारी मयूर दीक्षित ने जनपद एवं प्रदेशवासियों बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि उत्तराखण्ड राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री के निर्देशन में पूरे प्रदेश एवं जनपद में रजत जंयती उत्सव सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किए गये जिसमें जनपद मुख्यालय में ही नही ब्लॉक मुख्यालय एवं तहसील मुख्यालय में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गये। जिसमें स्वास्थय कैंप, स्वच्छता कार्यक्रम और स्कूलों छात्र-छात्राओं के द्वारा निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, कृर्षि सम्मेलनों, खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया इसके साथ ही उत्तराखण्ड लोक कला एवं संस्कृति पर कार्यक्रम आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देश एवं प्रदेश निरन्तर प्रगति एवं उन्नति के पथ पर अग्रसर हो रहा हैं तथा इन 25 सालों में उत्तराखण्ड राज्य ने कई उपलब्धियां हासिल की है। उन्होंने कहा कि हम सौभाग्यशाली है कि उत्तराखण्ड रजत जंयती के शुभअवसर पर देश की राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री उत्तराखण्ड में आये है तथा उनका अर्शीवाद हम सभी को मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सभी आमजन का योगदान जरूरी है। उन्होंने सभी अधि कारियों एवं कार्मिकों से भी अपेक्षा की है कि वह जिस क्षेत्र में कार्य कर रहे वह अपने कार्यो के दायित्वों का निर्वाहन निष्ठा एवं ईमानदारी से करें। विकसित जनपद एवं प्रदेश बनाने में अपना शतप्रतिशत योगदान दें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा ने जनपद वासियों को उत्तराखण्ड के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई एवं शुभकानाएँ दी। उन्होंने कहा कि राज्य ने 25 वर्षों में कई महत्वपूर्ण कार्य किए है तथा राज्य प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर जिलाविधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं सिविल जज सिमरनजीत कौर ने प्रदेश के प्रत्येक नागरीक को उचित न्याय मिले इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन कर लोंगों को विधिक जानकारी नि:शुल्क उपलब्ध करायी जाती है। यूसीसी में शत-प्रतिशत विवाह पंजीकृत कराने के लिए ग्राम प्रधान गंगदासपुर प्रियंका रानी, ग्राम प्रधान गाजीवाली देवेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान टिहरी भागीरथी नगर पार्वती देवी तथा ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अनुज कुमार, काजल, विनीत कुमार, प्रदीप तोमर, नवीन कुमार, अजय चौहान, कुल्दीप चौहान आदि को प्रशस्ति पत्र मिला। कन्या पाठशाला गणेशपुर की छात्रा वर्णनिका आर्य ने इंटरमीडियट परिक्षा में 95 प्रतिशत अंक लाने पर तथा आदर्श इंटर कॉलेज मानकपुरआदमपुर लाखन शर्मा ने इंटरमीडियट परिक्षा में 98 प्रतिशत अंक लाने पर तथा सरस्वती विद्यामंदिर इंटर कॉलेज मायापुर दीक्षा चौधरी हाईस्कूल परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक लाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया उत्तराखण्ड रजत जयंती वर्ष

कार्यालय संवाददाता

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड रजत जयंती वर्ष सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अवधेश नारायण सिंह एवं मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में सक्रिय भागीदारी करने वाले प्रो शम्भू दत्त पांडेय जी द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चाल इतिहास विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अपर्णा सिंह द्वारा पारंपरिक गणेश वंदना प्रस्तुत की गई। स्वागत समारोह की औपचारिकता के बाद मुख्य अतिथि शम्भू दत्त पांडेय जी द्वारा राज्य स्थापना से जुड़े अपने अनुभवों को उपस्थित जनों के साथ साझा किया । आपने उत्तराखण्ड राज्य के विकास के लिए सभी से मिल जुलकर कार्य करने का आग्रह किया । इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अवधेश नारायण सिंह ने इस शुभ अवसर पर राज्य के समक्ष उपलब्ध चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए ।

इस अवसर पर महाविद्यालय छात्रा संघ के अध्यक्ष रजत बिष्ट तथा सचिव जसवंत सिंह ने भी उत्तराखण्ड राज्य की चुनौतियों और संभावनाओं पर आपने विचार व्यक्त किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के विभिन्न छात्र छात्राओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गईं । इसी क्रम में विगत तीन दिनों से चल रही सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का समापन हुआ और विजेता प्रतिभागियों को प्राचार्य और मुख्य अतिथि महोदय द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के 25 वर्ष: चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर आयोजित वादख्विवाद प्रतियोगिता में बी. ए. प्रथम वर्ष के गणेश भट्ट ने प्रथम,एम. कॉम. प्रथम सेमेस्टर के कैलाश चौधरी ने द्वितीय तथा बी.ए. पंचम सेमेस्टर की सोफिया अंजुम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। एकल गीत गायन में एम.ए. समाजशास्त्र तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रश्मि तिवारी को प्रथम, बी.ए.तृतीय सेमेस्टर की छात्रा मानसी पाण्डेय को द्वितीय तथा बी.ए.प्रथम सेमेस्टर की प्रियंका गंगवार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

एकल नृत्य में बी.ए.तृतीय सेमेस्टर की हर्षिता पाण्डेय ने प्रथम, बी.ए.तृतीय सेमेस्टर की छात्रा मानसी पाण्डेय को द्वितीय तथा बी.ए.तृतीय सेमेस्टर की छात्रा संगीता और बी.कॉम.प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सोनी परिहार को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ ।

पोस्टर प्रतियोगिता में बी.ए.प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अनु को प्रथम, बी. कॉम.प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सोनी परिहार

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

ताकि फिट हो मेकअप किट

तो मेकअप किट में एक नहीं, कई प्रॉडक्ट्स होते हैं। लेकिन अक्सर समय पर वह चीज नहीं मिलतीए जिसकी हमें जरूरत होती है। तो नजर डालते हैं उन चीजों पर जिनके बिना आपकी मेकअप किट अधूरी है। भई मिरर ाहने को ये छोटा है लेकिन आपके बहुत काम की चीज है। मेकअप किट में स्मॉल मिरर जरूर रखें। वहीं एक मजेदार बात यह भी है कि आप किट में लाइनर, लिपस्टिक, काजल जैसी कितनी ही चीजें रख लें लेकिन जब तक मिरर नहीं होगा इनका कोई फायदा नहीं है। मिरर रखने से आप किसी भी वक्त मेकअप ठीक कर सकती हैं या जरूरत के मुताबिक उसे कम व यादा कर सकती हैं।

मॉइश्चराइजर : फेस पर ग्लो के लिए ये बहुत जरूरी है। पूरे दिन धूप में रहने से चेहरा ड्राई दिखने लगता है। मॉइश्चराइजर से इसे फ्रेश लुक दिया जा सकता है। तो मेकअप किट में इसे रखना न भूलें।

कंसीलर : फाउंडेशन से पहले कंसीलर का इस्तेमाल करें। यह चेहरे के दाग. धब्बे और पिंपल्स को छुपा देता है। इससे एक अच्छा बेस बन जाता है और जब फाउंडेशन लगाने की बारी आती है तो चेहरा पहले से ही स्मूद दिखता है।

फाउंडेशन : मेकअप का बेस होता है फाउंडेशन। इसके बिना आपका मेकअप खिलकर नहीं आ सकता है। फाउंडेशन का कलर अपनी स्किन टोन से मैच करता हुआ खरीदें। स्किन से कलर का तालमेल न बैठने पर आपके चेहरे की खूबसूरती फीकी रहेगी।

आईशेडो : आईशेडो को दो या दो से यादा कलर में लें और साथ में ब्रश भी रखें। आप सिंगल या ब्लेंड करके अपने मनचाहे तरीके से इसे लगा सकते हैं। आईलाइनर में बेसिक कलर ब्लैक जरूर रखें क्योंकि यह किसी भी ऑकेजन के लिए सूट कर जाता है।

मस्कारा : जिस तरह लिपस्टिक, आईलाइनर के बिना मेकअप पूरा नहीं हो पाता है, उसी तरह मस्कारा भी आपकी ब्यूटी को निखारने के लिए बेहद जरूरी है। मस्कारा एक ऐसा ब्यूटी प्रॉडक्ट हैए जिसके बिना मेकअप पूरी तरह अधूरा है।

मेकअप को परफेक्ट लुक देने में भी यह मदद करता है। होंठों को शेप देने के साथ ही उन्हें अट्रैक्टिव भी दिखाता है। इसके बाद लिपस्टिक लगाएं। होठों को शाइनिंग देने के लिए लिपग्लॉस भी किट में रखें।

मेकअप पूरा होने के बाद ब्लश लगाएं। यह आपके मेकअप को कंप्लीट करने में बेहद मदद करता है।

टीकू वेड्स शेरू के लिए करना होगा इंतजार, प्राइम वीडियो ने लिया रिलीज टालने का फैसला

कंगना रनौत की टीकू वेड्स शेरू पिछले काफी समय से सुर्खियों में है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि यह कंगना के होम प्रोडक्शन की पहली फिल्म है और इसमें अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। काफी समय से दर्शक इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, अभी लोगों को इसकी रिलीज के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, अमेजन प्राइम वीडियो ने टीकू वेड्स शेरू की रिलीज टालने का फैसला किया है।

इस खबर की पुष्टि करते हुए एक करीबी सूत्र ने कहा, इस साल की शुरुआत में अमेजन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी, जहां उन्होंने 2023 में रिलीज होने वाले शो और फिल्मों की घोषणा की थी, जिसमें से एक टीकू वेड्स शेरू भी थी। हालांकि, अब नवाज अपनी निजी जिंदगी में जिन मुद्दों का सामना कर रहे हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए अमेजन ने रिलीज को टालने का फैसला किया है।

गौरतलब है कि नवाजुद्दीन और उनकी पत्नी आलिया के बीच विवाद पिछले काफी वक्त से चर्चा में है। आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला थम नहीं रहा है। दरअसल, बीते दिनों नवाज की मां ने आलिया के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद विवाद बढ़ गया और फिर आलिया ने भी नवाजुद्दीन की मां पर कई संगीन आरोप लगाए हैं। बता दें कि आलिया और नवाजुद्दीन ने पहले अलग होने का फैसला किया था, लेकिन फिर दोनों साथ रहने लगे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविय में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

ब्रेकअप के बाद न करें ये गलतियां

प्यार और मनमुटाव होना रिलेशनशिप का प्रमुख हिस्सा हैं जिसमें रूठना-मनाना चलता ही रहता हैं। लेकिन कई बार दोनों के बीच की लड़ाई बढ़ते हुए ब्रेकअप तक पहुंच जाती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं हैं कि आपका पैचअप नहीं हो सकता हैं। कई बार अलग होने के बाद अहसास होता हैं कि आप एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते। ऐसे में ब्रेकअप के बाद भी आपको अपने हर कदम पर सावधानी बरतने की जरूरत हैं। आज इस कड़ी में हम आपको उन गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो लोग अक्सर ब्रेकअप के बाद कर बैठते हैं और इनकी वजह से पैचअप के दरवाजे भी बंद हो जाते हैं। आइये जानते हैं इन गलतियों के बारे में...

बार-बार कॉल करना

ब्रेकअप होने के बाद भी ज्यादातर लोग अपने एक्स से बार-बार कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं। हो सकता है कि आपकी ये कोशिश काम कर जाए, लेकिन ये तरह की गलती भी साबित हो सकती है। बार-बार कॉल या मैसेज करने से सामने वाला इंसान आपसे चिढ़ सकता है। हो सकता है कि ये तरीका आप दोनों में बहस को और बढ़ा दे। ब्रेकअप के बाद एक-दूसरे को पर्सनल स्पेस देना बहुत जरूरी होता है।

सोशल मीडिया से ब्रेकअप की बात शेयर न करें

आजकल के सोशल मीडिया के जमाने में लोगों को हर चीज सोशल प्लेटफॉर्म पर अपडेट करने का शौक होता है। अब चाहे वह बीमार होने का अपडेट हो या फिर कोई नई चीज खरीदने का। ऐसे में अगर किसी का ब्रेकअप हुआ है और वो सोशल मीडिया पर इस बात को जगजाहिर करेगा तो काफी गलत असर होगा। हमेशा याद रखें, कभी भी ब्रेकअप के बारे में सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट न करें। अपनी पर्सनल लाइफ को अपने तक ही रखें।

तुरंत रिलेशनशिप में आना

कई बार लोग ब्रेकअप के तुरंत बाद किसी अन्य के साथ रिलेशनशिप में आ जाते हैं। ये एक तरह की गलती होती है, जो आपके पुराने साथी के साथ पैचअप न होने की सिचुएशन पैदा कर देती है। आपका ये कदम आपके एक्स को दुख पहुंचा सकता है और इस कारण पैचअप की गुंजाइश पूरी तरह खत्म हो सकती है। ब्रेकअप के बाद खुद को थोड़ा समय दे, हो सकता है कि आप फिर से अपने एक्स से कनेक्ट हो जाएं।

ब्रेकअप का कारण जानें

कई बार ब्रेकअप किसी गलतफहमी या ईगो के कारण हो जाता है। अगर रिश्ते में किसी गलतफहमी ने जगह ली है, तो उसे दूर करने की कोशिश करें। अगर हो सके तो इस बारें में पार्टनर की किसी विश्वास पात्र से बात भी करा सकते हैं। वहीं अगर आपकी ईगो के कारण ब्रेकअप हुआ है, तो ईगो को शांत करके ही बात करें। रिश्तों में ईगो को कतई जगह न दें। रिश्ते को लेकर अगर आपको कोई बात परेशान करती है, तो शांत मन से पार्टनर से बात करें।

अपशब्द न बोलें

कई बार लड़के-लड़की गुस्से में आकर ऐसी बातें बोल जाते हैं, जिससे सामने वाले को काफी ठेस पहुंच सकती है। कभी भी ब्रेकअप के समय कुछ अपशब्द न बोलें। अगर ऐसा होता है तो पैचअप की उम्मीद न के बराबर हो जाती है।

बहस से बचें

कई बार लोग रिश्ते को बचाने के लिए पार्टनर से बहस करने लग जाते हैं। आपकी ये आदत रिश्ते को सुधारने से तो रही लेकिन खराब जरूर कर सकती है। ऐसे में पार्टनर को थोड़ा समय दें। उनके गुस्से को शांत होने दें। ऐसे में खुद न बात करके किसी कॉमन फ्रैंड के जरिए बात करने की कोशिश करें। वहीं ध्यान रखें जब भी आप पार्टनर से बात करें, उन्हें वैसे ही स्वीकार करें। जैसे वो हैं। उन्हें बदलने की कोशिश बिल्कुल न करें।

पैचअप के लिए फोर्स न करें

ब्रेकअप के कुछ समय बाद लोग अक्सर पैचअप के लिए अपने एक्स को बात करने के लिए फोर्स करने लगते हैं। ऐसे में सामने वाले को ये लग सकता है कि आप उस पर दबाव बना रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो पैचअप की उम्मीद खत्म हो सकती है, इसलिए ऐसा करने से बचें।

गलत कामों से बचें

ब्रेकअप के बाद अक्सर लोग गलत चीजों की ओर अधिक अट्रैक्ट होते हैं। अगर आपका ब्रेकअप हुआ है तो अपने आपको समय दें। नशे की लत और सैड सॉन्ग से दूर रहें नहीं तो ये ब्रेकअप के दर्द को और अधिक बढ़ा सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -045

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

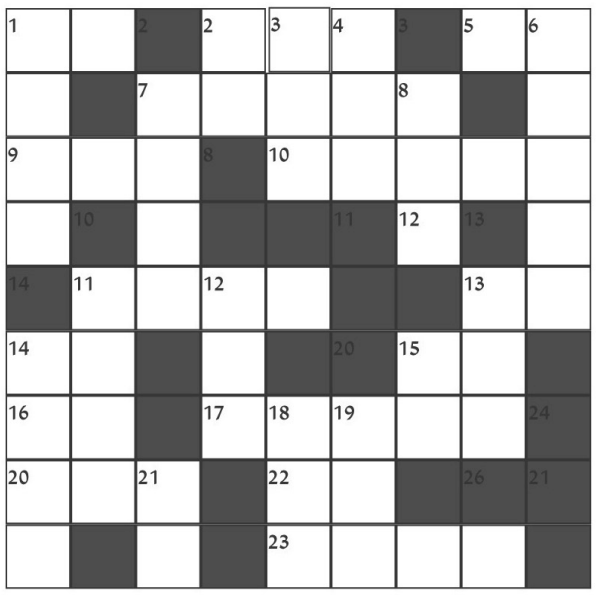

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 44 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	10 रं	■	■	मि	
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
14	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	18	प	20	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	24
ची	25	■	प	■	पा	■	26	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

राज्य स्थापना दिवस

9 नवम्बर

की

हार्दिक शुभकामनाएँ

“ माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है । हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं । ”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

“ 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं । पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है । ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। ”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प
नये उत्तराखण्ड का
समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड के वेंचर फण्ड की स्थापना।
वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।
विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in
uttarakhandDIPR
DIPR_UK
uttarakhand DIPR

राष्ट्रीय जलमार्गों से सशक्त होता लॉजिस्टिक्स तंत्र

विजय कुमार

भविष्य के एक ऐसे भारत की कल्पना करें जहां मालढुलाई ट्रकों के बजाय नावों से हो, लॉजिस्टिक्स गलियारे राजमार्गों की जगह नदियों के किनारे बने हों और व्यापार बढ़ने के बाद भी कार्बन उत्सर्जन कम हो। ऐसा भविष्य कोरी कल्पना नहीं है बल्कि हमारी पहुंच के दायरे में है। देश को विकसित भारत और सही मायने में आत्मनिर्भर बनने के लिए अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) को टिकाऊ लॉजिस्टिक्स क्रांति की रीढ़ बनना होगा।

भारत 4,000 वर्षों से नदियों के माध्यम से व्यापार करता आ रहा है। नदियों ने लोथल को रोम से, बंगाल को बर्मा से और असम को शेष दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ा है। हालांकि समय के साथ सड़कों और रेलवे ने अपनी रफ्तार और स्टील की चमक से नदियों को पीछे धकेल दिया। लेकिन अब जलवायु परिवर्तन के चलते आर्थिक दबाव के इस दौर में हालात बदल रहे हैं। ऐसा नदियों के प्रति प्रेम की वजह से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतर्देशीय जलमार्ग पर अभूतपूर्व नीतिगत ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय जलमार्गों पर 2013-14 में कार्गो की आवाजाही 18.1 मिलियन मेट्रिक टन थी जो 2024-25 में बढ़कर 145.84 मिलियन मेट्रिक टन हो गई है। जलमार्गों से माल-ढुलाई का खर्च भी कम आता है। जलमार्ग से माल-ढुलाई का खर्च 1.20 रुपये प्रति टन-किलोमीटर है जबकि रेल से 1.40 रुपये और सड़क से 2.28 रुपये प्रति टन-किलोमीटर का खर्च आता है। जलमार्ग किफायती और ईंधन-कुशल होते हैं। जलमार्ग से परिवहन पर प्रति टन-किलोमीटर केवल 0.0048 लीटर ईंधन की खपत होती है जबकि सड़क से 0.0313 लीटर और रेल मार्ग से 0.0089 लीटर खर्च होता है। यह किसी भी सप्लाई चेन मैनेजमेंट के लिए आंखें खोलने वाली बात है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि नदी परिवहन से प्रति टन-किलोमीटर ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन सड़क परिवहन की तुलना में महज 20 प्रतिशत होता है। गंगा या ब्रह्मपुत्र में चलने वाला हर जहाज न केवल सामान ढो रहे हैं, बल्कि भारत के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की सजगता को भी स्पष्ट रूप से परिलक्षित कर रहा है।

भारत सरकार ने 2016 में राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर जलमार्ग विकास परियोजना को मंजूरी दी थी, जिससे गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली में कार्गो की आवाजाही बढ़ रही है। वाराणसी और साहिबगंज जैसे मल्टीमोडल लॉजिस्टिक्स हब राष्ट्रीय राजमार्ग लॉजिस्टिक्स प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के साथ साझेदारी में विकसित किए जा रहे हैं तथा इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के जरिये रेल लिंक बनाए जा रहे हैं ताकि नदी, रेल और सड़क को सुगमता से जोड़ा जा सके। राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) पर जोगीघोपा आईडब्ल्यूटी टर्मिनल को मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) से जोडा जा रहा है, जो भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग के जरिये कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह को जोड़ता है।

अंतर्देशीय जल परिवहन की क्षमता अब साफ़ दिखने लगी है। असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) की विस्तार परियोजना का हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था। रिफाइनरी के लिए ओवर डाइमेंशनल कार्गो (ओडीसी) और ओवर वेट कार्गो (ओडब्ल्यूसी) जैसे भारी उपकरण आईडब्ल्यूएआई की देखरेख में भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग और ब्रह्मपुत्र नदी के जरिये ट्रांसपोर्ट किए गए थे। इसमें 24 कंसाइनमेंट शामिल थे जो एनआरएल जेट्टी तक आसानी से और सुरक्षित रूप से पहुंचाए गए। इससे भीड़भाड़ वाले राजमार्गों और बड़े कार्गो के लिए सड़क परिवहन की मुश्किलों से भी बचा गया। इस ऑपरेशन से पता चला कि नदी लॉजिस्टिक्स न केवल पर्यावरण के लिए अच्छा है, बल्कि यह भारत के सबसे मुश्किल औद्योगिक शिपमेंट को संभालने में भी पूरी तरह से सक्षम है। सही मायने में यह लागत-प्रभावी, सुरक्षा और सतत परिवहन का बेजोड़ मेल है।

उद्योग के लिए यह अतीत की यादों में खोने या राष्ट्रीय गर्व की ही बात नहीं है बल्कि यह मार्जिन और मार्केट के बारे में है। जलमार्ग से सामान भेजना सस्ता, ज्यादा स्वच्छ और तेज होता जा रहा है क्योंकि मल्टीमोडल हब ऑनलाइन आ रहे हैं। आज की दुनिया में वैश्विक निवेशक सप्लाई चेन को केवल दक्षता के लिहाज से ही नहीं बल्कि उनके पर्यावरणीय प्रभाव को भी देखते हैं, ऐसे में नदी परिवहन को अपनाना रणनीतिक रूप से फायदेमंद है। कार्बन उत्सर्जन घटाने पर भी जोर है, जिससे अंतर्देशीय जलमार्ग आधुनिक लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर और ज्यादा टिकाऊ विकल्प बन गए हैं। जलमार्गों के जरिये माल भेजने से कम लागत, बेहतर पर्यावरण, सामाजिक और गवर्नेंस (ईएसजी) क्रेडेंशियल्स का दोहरा फायदा मिलता है।

सामाजिक लाभ असली है। कम ट्रक मतलब कम दुर्घटनाएं, सड़कों के रखरखाव पर कम दबाव, स्वच्छ हवा और मजबूत ग्रामीण अर्थव्यवस्था। नदी किनारे रहने वाले कई समुदाय जो कभी फेरी ट्रांसपोर्ट या छोटे पैमाने के व्यापार पर निर्भर थे, वे अब लॉजिस्टिक्स सपोर्ट, हैंडलिंग, वेयरहाउसिंग और अंतर्देशीय पोत्तन सेवाओं में नया रोजगार पा सकते हैं। यह व्यापार और रोजगार को बढ़ाने का एक सुदृढ़ साधन है।

ऐसा नहीं है कि इसमें कोई चुनौती नहीं है। मौसम का असर नेविगेशन पर पड़ता है। कुछ हिस्सों में लगातार ड्रेजिंग की दरकार होती है। मालवाहन बेड़े भी सीमित हैं। राज्यों, बंदरगाहों और मंत्रालयों के बीच संस्थागत समन्यवय भी बड़ी चुनौती है। लेकिन सरकार एंड-टू-एंड ड्रेजिंग, मल्टी-मोडल हब का विस्तार, अंतर्देशीय पोत कानून जैसी नीतियों को लागू करके इन चुनौतियों से निपट रही है। इसके साथ ही सरकार राष्ट्रीय जलमार्ग पर निजी जेट्टी बनाकार और %हरित नौका' के तहत पर्यावरण मानदंडों का पालन करके इस क्षेत्र को स्वच्छ और हरित तरीकों की ओर ले जा रही है। कार-डी (कार्गो डेटा पोर्टल), जलयान और नाविक, जल-समृद्धि, पानी और नौदर्शिका (नेशनल रिवर ट्रैफिक और नेविगेशन सिस्टम) पोर्टल जैसे डिजिटल टूल परिवहन को आसान बनाते हैं और रुकावटों को कम करते हैं।

पूरी दुनिया में नदी परिवहन का विस्तार हो रहा है। डेन्यूब और राइन नदियां यूरोप का माल ढोती हैं। भारत मालवहन योग्य नदियों के समृद्ध नेटवर्क के साथ मजबूत स्थिति में है। भारत ने 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, ऐसे में जलमार्ग उसके लिए विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता है। जल परिवहन दक्षता, अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी सभी के लिहाज से उयुक्त है।

मुंबई में चल रहे इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 में वैश्विक और स्थानीय नीति निर्माता, लॉजिस्टिक्स की दिग्गज कंपनियों से लेकर नए लोगों तक, सरकारें, निवेशक, मैरीटाइम विशेष, पर्यावरणविद और उत्साही लोग इस दिशा में अगला कदम उठाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। यह आयोजन कार्गो-केंद्रित नदी परिवहन के भविष्य की झलक दिखाएगा कि कैसे गंगा, ब्रह्मपुत्र और दूसरे जलमार्ग हरे-भरे और ज्यादा कुशल भारत की रीढ़ बन सकते हैं। नदियों ने हमारी सभ्यता बनाई है। अपनी समृद्ध विरासत को अपनाकर और दुनिया की श्रेष्ठ कार्यप्रणाली के साथ भारत एक नए और आधुनिक अंतर्देशीय जल परिवहन प्रणाली के जरिये टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनाने के लिए तैयार है। नदी की धारा आखिरकार हमारे पक्ष में बह रही है, जो हरित लॉजिस्टिक्स के भविष्य को ताकत दे रही है।

(लेखक पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय में सचिव हैं)

सू- दोकू

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

राज्य स्थापना दिवस पर क्रास कंट्री दौड़ का आयोजन

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला खेल कार्यालय, अल्मोड़ा की ओर से आज प्रातः क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक-बालिकाओं सहित ओपन पुरुष एवं महिला वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दौड़ का शुभारंभ जिलाधिकारी अंशुल सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि खेल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है तथा इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का विकास करती हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी अंशुल सिंह, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र के साथ उपजिलाधिकारी संजय कुमार, तहसीलदार अधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में 100 से 150 बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। विभिन्न वर्गों में विजेताओं को मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। ओपन पुरुष वर्ग के विजेताओं में प्रथम स्थान चन्दन सिंह, द्वितीय स्थान विजय कुमार टम्टा व तृतीय आलोक भट्ट को मिला वहीं ओपन महिला वर्ग के विजेताओं में प्रथम स्थान मीनाक्षी कफल्टिया द्वितीय स्थान भावना अधिकारी व तृतीय स्थान सुहाना चौहान ने प्राप्त किया। वहीं जूनियर बालक वर्ग के विजेताओं में प्रथम स्थान नितेश सिंह जीना, द्वितीय स्थान अभिमन्यु मेहता व तृतीय स्थान में भूमित बिष्ट रहे। जूनियर बालिका वर्ग के विजेताओं में प्रथम स्थान कु. गायत्री रावत, द्वितीय स्थान कोमल बिष्ट व तृतीय स्थान लता आर्य ने प्राप्त किया।

जमीर का अमीर

एक गुरु ने शिष्यों से कहा कि तुम्हें एक विशेष परीक्षा से गुजरना है जो इसमें उत्तीर्ण होगा, उसे राजा द्वारा राजगुरु नियुक्त किया जाएगा। तुम्हें बारी-बारी से सुबह नदी किनारे जाना है। तुम्हें वहां कुछ दिखाई देगा। नदी किनारे एक सेबों का बगीचा था। गुरु ने माली से कहा कि आपने एक सेब प्रतिदिन नदी में इस किनारे पर डालना है। पहला शिष्य अगली सुबह नदी किनारे पहुंचा, एक सेब नदी में बहता हुआ आया और आगे निकल गया। अगले दिन दूसरे शिष्य ने नदी में सेब देखा और उसे खा लिया। अगले रोज तीसरे शिष्य ने सेब पानी से उठाया और आश्रम में आ गया। उसने गुरुजी से पूछा कि क्या नदी के किनारे कोई सेबों का बगीचा है गुरुजी ने कहा-मालूम नहीं। शिष्य बगीचा ढूंढ़ते-ढूंढ़ते माली के पास पहुंचा और कहा-यह सेब आपके बगीचे का है, आप इसे अपने पास रखें। माली ने कहा-एक सेब को आप ही खा लेते। शिष्य बोला-इसे पैदा करने में मेरी कोई मेहनत नहीं है, इसीलिए मैं इसे नहीं खा सकता। माली ने कहा-यह बगीचा राजा का है, इस हिसाब से सेब का मालिक राजा हुआ। दरबार में राजा ने कहा-तुम एक सेब देने के लिए राजदरबार तक पहुंच गये शिष्य ने कहा-महाराज, यह बात आपके लिए मामूली-सी है, लेकिन मेरे जमीर का सवाल है। यह सेब उसके मालिक तक लौटाना मेरे लिए अति आवश्यक है। राजा ने उसे अगला राजगुरु नियुक्त कर दिया।

25 साल, उत्तराखंड बेमिसाल!

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

में बनाए जाने हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज इस कार्यक्रम से पूर्व 8000 करोड़ से अधिक विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की डबल इंजन सरकार और केंद्र सरकार राज्य की विकास योजनाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में जुटी है।

उन्होंने राज्य सरकार की भी जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन चुका है। उन्होंने धामी सरकार द्वारा डेमोग्राफी चेंज को रोकने, भू-माफिया व नकल माफिया पर लगाम कसने के प्रयासों की भी तारीफ की तथा आपदा प्रबंधन के लिए बेहतर ढंग से प्रयास करने और धर्मांतरण रोकने तथा दंगा रोधी कानून बनाने के लिए भी सरकार को सराहा।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विकास की स्वर्णिम यात्रा की ओर अग्रसर है। इससे पूर्व सीएम धामी ने अपने संबोधन में पीएम मोदी को युग दृष्टया बताते हुए कहा कि जब उनका दिशा निर्देशन है तो विकास के होने की भी गारंटी है। पीएम ने राज्य के लोगों को इस विकास यात्रा में केंद्र से हर संभव मदद का भी भरोसा दिलाया।

पहाड़ी बोली, पहाड़ी टोपी, पीएम का..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

प्रधानमंत्री बोले-पैली पहाडू कू चढ़ाई, विकास की बाट कैल रोक दी छै। अब वखि बटि नई बाट खुलण लग ली।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण मे पहाड़ के लोक पर्वों, लोक परंपराओं और महत्वपूर्ण आयोजनों को भी शामिल किया। इस क्रम में उन्होंने हरेला, फुलदेई, भिटोली, नंदादेवी, जौलजीबी, देवीधुरा मेले से लेकर दयारा बुग्याल के बटर फेस्टिवल तक का जिक्र किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया उत्तराखण्ड..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

को द्वितीय तथा बी.ए.तृतीय सेमेस्टर की आरती को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ । स्लोगन प्रतियोगिता एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिता में बी.ए.तृतीय सेमेस्टर की संगीता ने अपनी एकमात्र प्रविष्टि के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । सामूहिक नृत्य की प्रतियोगिता में सरिता बिष्ट, रुक्मिणी, गौरी सिंह, दिया , ज्योति, मानसी, दिया, सोनी परिहार, प्रियंक को भी पुरस्कृत किया गया ने । इस अवसर पर विश्वविद्यालय में क्विज, भाषण और स्केचिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। राज्य जयंती समारोह का संचालन महाविद्यालय के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ.हेमलता सैनी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन बी. ए.पंचम सेमेस्टर की छात्रा अनामिका सिंह तथा सालेहा खातून ने किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रो सर्वजीत सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों का धन्यवाद् ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक , कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे ।

सट्टे की खाई बाड़ी करता सटोरिया गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सट्टे के खाईबाड़ी कर रहे एक सटोरिये को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से पुलिस ने हजारों की नगदी व सट्टा पर्ची बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना पथरी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थल पर सट्टे की खाईबाड़ी कर रहा है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान डी.पी.एस. स्कूल के पास दबिश देकर एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। जिसके पास से 7430 रूपये की नगदी, सट्टा पर्ची, पेन व गत्ता बरामद किया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम ताजिम पुत्र वहाब निवासी ग्राम कटारपुर थाना पथरी जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे जुआ अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

राज्य की रजत जयंती पर कांग्रेस मुख्यालय में ध्वजारोहण के साथ कटा 25 पौंड का केक

संवाददाता

देहरादून। राज्य स्थापना के 25 सान पूर्ण होने पर कांग्रेस मुख्यालय में ध्वजारोहण के साथ 25 पौंड का केक काटा गया।

आज यहां उत्तराखंड राज्य स्थापना के पच्चीस साल पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा मनाए जा रहे रजत जयंती समारोह पखवाड़े के तहत आज राज्य निर्माण की रजत जयंती के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में सेवा दल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने प्रात: राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्यालय में एकत्रित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वंदे मातरम, ध्वज गीत व राष्ट्रगान गाया जिसके बाद प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग अध्यक्ष मदन लाल द्वारा तैयार करवाए गए पच्चीस पौंड के केक को प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, मदन लाल महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी व अन्य नेताओं के साथ मिल कर केक कटिंग की।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने सभी प्रदेश वासियों को उत्तराखंड राज्य निर्माण की पच्चीसवीं वर्षगांठ पर बधाइयां प्रेषित करते हुए कहा कि आज पूरा प्रदेश जब राज्य स्थापना की रजत जयंती मना रहा है तब हम सभी को मिल कर एक आत्मनिर्भर विकसित व खुशहाल उत्तराखंड प्रदेश बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह उपयुक्त समय है जब हम सब थोड़ा पीछे मुड़ कर इस बात का आंकलन करें कि बीते पच्चीस सालों में क्या हम शहीदों के सपनों का उत्तराखंड बना पाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के निर्माण से अब तक के पच्चीस सालों की यात्रा में कांग्रेस ने दस वर्षों के अपने शासन काल में प्रदेश में एक मजबूत आधारशिला रखने का काम किया और प्रदेश के आर्थिक स्वरूप, औद्योगिक विकास, मजबूत भू कानून, उच्च शिक्षा के अनेक प्रतिष्ठान, मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, गैरसैण में अवस्थापना विकास जैसे ऐतिहासिक कार्य किए।

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं व राज्यवासियों को राज्य निर्माण रजत जयंती की बधाई देते हुए कहा कि आज हम उन सभी राज्य आंदोलन के सिपाहियों के ऋणी हैं जिन्होंने राज्य की मांग के लिए संघर्ष किया व बलिदान दिए।

रजत जयंती पखवाड़े के संयोजक प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस द्वारा मनाए जा रहे राज्य निर्माण पखवाड़े में आज राज्य निर्माण दिवस के अवसर पर जहां प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा प्रदेश मुख्यालय में ध्वजारोहण और पूर्व अध्यक्ष केक काट कर हर्ष मना रहे हैं वहीं प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल गैरसैण में पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं के साथ ध्वजारोहण कर रहे हैं और पूर्व मुख्यमंत्री हरिश रावत हरिद्वार में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हर की पैड़ी में कार्यक्रम में भागीदारी निभा रहे हैं। धस्माना ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता यशपाल आर्य और उप नेता भुवन कापड़ी खटीमा में तो प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा मसूरी में शहीद आंदोलनकारियों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं।

धस्माना ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का एक एक कार्यकर्ता राज्य स्थापना दिवस रजत जयंती समारोह के एक एक दिन को पूरी शिद्दत के साथ मनाते हुए प्रदेश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए हर्ष मना रहे हैं। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर जसविंदर सिंह गोगी , प्रदेश महासचिव जगदीश धीमान, प्रदेश महासचिव नवीन जोशी, गोदावरी थापली, राजेंद्र शाह, शीशपाल सिंह बिष्ट, वीरेंद्र पोखरियाल, अनुसूचित जाति विभाग अध्यक्ष मदन लाल, सेवा दल मुख्य संगठक हेमा पुरोहित, श्रम प्रकोष्ठ अध्यक्ष दिनेश कौशल, मोहित उनियाल, गौरव सिंह, सावित्री थापा, गोपाल गड़िया, डॉक्टर प्रतिमा सिंह, ओम प्रकाश सती, मानवेंद्र सिंह, शिवानी थपलियाल, मंजू त्रिपाठी, पूनम कंडारी, गगन छाछर, आदर्श सूद, नवीन सलूजा, प्रमोद कुप्रवान, नोहर सिंह, आनंद सिंह पुंडीर, सुनील थपलियाल , नीरज त्यागी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

25 वर्षो में आज भी नौजवान पलायन को मजबूर है: प्रतिमा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि राज्य बनने के बाद सबसे बड़ा छलावा राज्य के युवा बेरोजगार नौजवान के साथ हुआ तथा अपने प्रदेश में रोजगार की आस पूरी न होने के कारण हताश-निराश होकर उसे आज भी अन्य प्रदेशों में पलायन को मजबूर होना पड़ रहा है।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने उत्तराखंड राज्य निर्माण की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) वर्ष पर राज्य वासियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि आज उत्तराखंड राज्य 25 वर्ष की अवस्था पूर्ण कर चुका है। अलग राज्य की अवधारणा में बेरोजगारी और संयुक्त उत्तर प्रदेश में इस प्रांत की अनदेखी रहा है। इन 25 वर्षों में उत्तराखंड राज्य ने बहुत कुछ खोया है और बहुत कुछ पाया है। राज्य आन्दोलन में कई आन्दोलनकारियों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया वहीं मातृशक्ति ने अपनी गृहस्थी की जिम्मेदारियों के साथ-साथ राज्य निर्माण आन्दोलन में कंधे से कंधा मिलाकर पूरा सहयोग किया। परन्तु अलग प्रदेश होने के बावजूद आज भी सबसे उपेक्षित यहां का बेरोजगार नौजवान, महिलाएं है जो सरकारों की नाकामी के कारण अपने को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। अलग उत्तराखण्ड राज्य की अवधारणा की नींव में इस प्रांत के जनपदों का विकास की किरणों से कोसों दूर रहना, क्षेत्र में बढ़ती बेरोजगारी और पहाडों की पहाड जैसी परेशानियां थी। राज्य निर्माण आन्दोलन में पर्वतीय जनपदों के बेरोजगार नवयुवक-युवतियों, महिलाओं ने बढ़चढ़ कर भागीदारी का निर्वहन भी किया। परन्तु राज्य बनने के बाद सबसे बड़ा छलावा राज्य के युवा बेरोजगार नौजवान के साथ हुआ तथा अपने प्रदेश में रोजगार की आस पूरी न होने के कारण हताश-निराश होकर उसे आज भी अन्य प्रदेशों में पलायन को मजबूर होना पड़ रहा है। राज्य सरकार के स्तर पर पर्वतीय जनपदों से पलायन रोकने के लिए कई बार प्रयास भी हुए हैं यहां तक कि राज्य में पलायन आयोग का भी गठन किया गया परन्तु सरकारों को पलायन रोकने में सफलता नहीं मिल पाई। 25 वर्ष का लम्बा समय बीत जाने के बावजूद भी उत्तराखंड राज्य के ग्रामीण इलाके स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। पर्वतीय जनपदों में कई इलाकों की स्थिति तो यह है कि मरीजों को अस्पताल तक ले जाने के लिए आज भी डंडी-दंडी का सहारा लेना पड़ रहा है फलस्वरूप कई लोग अस्पताल तक पहुंचने से पहले रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। पहाड की मातृशक्ति के सिर का बोझ कम नहीं हो पाया है। राज्य सरकारें बडी-बडी बातें तो कर रही हैं परन्तु ब्लाक मुख्यालय स्तर के अस्पतालों मे प्रसव तक की सुविधा महिलाओं के लिए नहीं है तथा उन्हें आज भी बडे शहरों पर निर्भर होना पड़ रहा है। उत्तराखंड राज्य के साथ ही छत्तीसगढ़ और झारखंड दो अन्य राज्यों का भी गठन हुआ था परन्तु 25 वर्ष के लम्बे अन्तराल के बाद भी उत्तराखंड राज्य को अपनी स्थायी राजधानी नहीं मिल पाई है तथा यहां का निवासी राजधानी के नाम पर स्थायी-अस्थायी के बीच झूल रहा है। जनता की गाडी कमाई के हजारों करोड़ रूपये की बदबादी के बाद भी शहीदों के सपनों की राजधानी गैरसैण उपेक्षा का शिकार बनी हुई है। इस पर राज्य के सभी राजनैतिक दलों को गम्भीरता से सोचना होगा।

उल्लासपूर्वक मनाया गया उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस

हमारे संवाददाता

पौड़ी। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती पर जिला मुख्यालय पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय पौड़ी में आयोजित मुख्य समारोह की शुरुआत स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी, जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया तथा मुख्य विकास अधिकारी गिरीश गुणवंत समेत पूर्व सैनिकों तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा एजेंसी चौक स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धासुमन अर्पित कर की गयी। सभी ने राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए उनके योगदान और बलिदान को याद किया।

इसके उपरांत अतिथियों ने प्रेक्षागृह पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया। तत्पश्चात शहीद राज्य आंदोलनकारियों के चित्रों पर पुष्पमाला अर्पित कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। राज्य स्थापना की रजत जयंती पर उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन को भी सुना और उनके संदेश से प्रेरणा ली। मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड राज्य का गठन हजारों आंदोलनकारियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान की परिणति है। एक ऐसा सपना, जिसमें पहाड़ का

शहीद स्मारक पर किया राज्य आंदोलनकारी शहीदों को नमन

हर व्यक्ति शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मान का जीवन चाहता था। विधायक ने कहा कि आज जब राज्य अपनी रजत जयंती मना रहा है, तब हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि विकास की रोशनी प्रत्येक गांव और घर तक पहुंचे।

जिलाधिकारी ने राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि उनका त्याग, संघर्ष और बलिदान ही उत्तराखंड के वर्तमान और भविष्य की नींव है। उन्हीं के साहस और समर्पण से हमें यह गौरवशाली राज्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि जनपद में हमारे बीच अनेक उदाहरण ऐसे हैं, जो आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम कर उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। हाल ही में बेडू फल को जीआई टैग मिलना इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होने कहा कि स्थानीय उत्पादों को पहचान मिलना न केवल राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाता है, बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नयी ऊर्जा भी प्रदान करता है। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत से अतिथियों का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर विकासखण्ड पौड़ी के ग्राम गहड़ के जय निरंकार स्वायत्त सहकारिता समूह व विकासखण्ड कोट के मंजोली तल्ला के मां भगवती ऑर्गेनिक फार्म स्वययत सहकारिता को कृषि विभाग के फार्म मशीनरी बैंक योजना के तहत 4-4 लाख के चैक वितरित किये गये। जबकि 10 कृषकों को कृषि यंत्र व मिनी बीज किट वितरित की गयी। इसके अलावा कृषि में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 कृषकों को शॉल व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं बाल विकास विभाग की ओर से 5 बालिकाओं को किशोरी किट व 5 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित की गयी। समाज कल्याण विभाग के 11 लाभार्थियों को दिव्यांग उपकरण वितरित किये गये। इस अवसर पर उद्योग विभाग के 26 लाभार्थियों को भी ऋण स्वीकृति पत्र एवं चेक वितरित किये गये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल, संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी, परियोजना निदेशक डीआरडीए विवेक कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, जिला पंचायती राज अधिकारी जितेंद्र कुमार, जिला शिक्षाधिकारी (माध्यमिक) रणजीत सिंह नेगी सहित कई लोग मौजूद रहे।

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

❑घटना में प्रयुक्त डंडा बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। हत्या के प्रयास के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली मंगलौर में दर्ज हत्या के प्रयास के एक मुकदमें में पुलिस को देवेन्द्र पुत्र आनन्द पाल निवासी ग्राम आमखेडी थाना कोतवाली मंगलौर जिला हरिद्वार सहित अन्य लोगों की तलाश थी। जिनमं से देवेन्द्र को पुलिस ने देर रात एक सूचना के बाद ग्राम आमखेड़ी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया गया है। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

तीन बुलेट मोटरसाइकिल सीज

हरिद्वार (हसं)। तीन बुलेट बाइक को माडिफाइड रेस्टो साइलेंसर एमवी एक्ट के अंर्तगत पुलिस ने सीज कर दिया है। एसएसपी हरिद्वार के निर्देशानुसार प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत वाहन चेकिंग के दौरान 3 मोटरसाइकिल बुलेट को अभियान के तहत एमवी एक्ट के अंतर्गत सीज किया गया है। जिनमें मोटरसाइकिल बुलेट रजिस्ट्रेशन नंबर यूके 17 क्यू - 5979, मोटरसाइकिल बुलेट रजिस्ट्रेशन नंबर यूके 17एम - 8949 व मोटरसाइकिल बुलेट रजिस्ट्रेशन नंबर यूके 08 एआर - 7626 शामिल है।

न्यायालय पार्क में टेंट लगाने का अधिवक्ताओं ने किया विरोध

संवाददाता

देहरादून। पुराने जिला न्यायालय के पार्क में टेंट लगाने का अधिवक्ताओं ने विरोध दर्ज कराया और चेतावनी दी कि अगर यहां पर शिलान्यास किया गया तो अंजाम भुगतने को तैयार रहें।

सायं लगभग 5 बजे राजबीर सिंह बिष्ट (सचिव बार एसोसिएशन देहरादून) को सूचना प्राप्त हुई की पुराने जिला न्यायालय के पार्क में कुछ लोग टेंट लगा रहें हैं, सूचना प्राप्त होते ही सचिव द्वारा अन्य पदाधिकारी एवं अधिवक्ताओं को सूचित किया गया। जिस पर अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल, उपाध्यक्ष भानू प्रताप सिसोदिया एवं सहसचिव कपिल अरोड़ा एवं अन्य अधिवक्तागण मौके पर पहुंचे, वहां पहुंच अध्यक्ष जी द्वारा एसडीएम देहरादून, शहर कोतवाल, जिला जज

देहरादून को अपना विरोध दर्ज कर चेतावनी दी गई कि अगर कल कोई भी व्यक्ति यहां शिलान्यास करने यहां आया तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। जिसके उपरांत मौजूदा कार्यकारणी एवं अधिवक्तागण द्वारा पार्क में लगे हुए टेंट को उखाड़ दिया गया। मौके पर भारी पुलिस बाल के पहुंचने पर अध्यक्ष द्वारा उन्हें भी चेतावनी दी गई अगर यहां कोई शिलान्यास होता है तो उसका परिणाम का प्रशासन स्वयं जिम्मेदार होगा। इस पूरे घटनाक्रम में अधिवक्ता अंजलि चमोली, नेहा रावत, रेशमा, निलय रतन कुकरेती, पंकज पटवाल, ओमप्रकाश सती, दिग्विजय सिंह नेगी, शिवेश बहुगुणा, सिद्धार्थ पोखरियाल, राहुल नेगी, राजेश ममगाई एवं अन्य अधिवक्ता भी मौजूद थे।

सादगी और संकल्प का प्रतीक-विदाई के क्षण बने प्रेरणाः विपुल मेंडोली

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राज्य के लिए यह दिन भावनाओं और गर्व से भरा रहा। उत्तराखंड आगमन के पश्चात एक सम्मानित राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता को हवाई अड्डे पर आत्मीय भाव से विदा करने का अवसर मिला।

यह बात विपुल मेंडोली (भारतीय जनता युवा मोर्चा उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष) ने कही। उन्होंने कहा इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने राष्ट्रहित के प्रति उनके समर्पण, सादगी और प्रेरणादायक व्यक्तित्व को नजदीक से अनुभव किया। यह क्षण सभी के लिए यादगार बन गया।

विदाई के अवसर पर भावुक क्षणों

में राज्य के प्रतिनिधियों ने कहा कि "उनके मार्गदर्शन में उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहेगा। हम सब मिलकर अपने पहाड़, अपनी संस्कृति और अपनी युवाशक्ति को नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।